स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन विद्या

प्रथम पत्र - ज्ञान मीमांसा एवं प्रमाण मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. मतिज्ञान को परिभाषित करते हुए, उसके भेद-प्रभेदों का वर्णन करें।

Define Matigyan and explain types of perceptual cognition.

अथवा /OR

ज्ञान को परिभाषित करते हुए, श्रुतज्ञान का वर्णन करें।

Defining knowledge describe Shrutgyan.

प्र. 2. केवलज्ञान को परिभाषित करते हुए उसकी विशेषताएं व भेदों का वर्णन करें।

Define perfect knowledge (Keval Gyan). Explain its features and types.

अथवा /OR

अज्ञान को परिभाषित करते हुए उसके प्रकार लिखिए।

Explain the ne-science and its types.

प्र. 3. जैन दर्शन के अनुसार प्रमेय का स्वरूप क्या है? समझाइए?

Explain the nature of object according to Jaina philosophy.

अथवा /OR

लक्षण को परिभाषित करते हुए उसके भेदों के प्रकार बताइये।

Write down definition of characteristics. Explain its types and fallacious differentia.

प्र. 4. प्रत्यक्ष प्रमाण का अर्थ लिखते हुए उसके भेदों की विवेचना कीजिए।

Discuss organ of direct knowledge and its types.

अथवा /OR

मन का स्वरूप लिखते हुए उसके प्रकार, कारण व परिमाण लिखो।

Explain nature, types, causes and size of mind.

प्र. 5. परोक्ष प्रमाण को समझाते हुए उसके भेद लिखिए।

Explain indirect cognition non-perceptual and define the types of indirect cognition.

अथवा /OR

अनुमान को लिखते हुए उसके अवयवों का वर्णन करें।

Explain inference with its syllogism.

♦♦♦

अथवा /OR

मांसाहार रोगों का जन्मदाता है, स्पष्ट कीजिए।

'Non-vegetarian food is cause of diseases, explain it.

प्र. 4. मद्यपान अपराधों का जन्मदाता है, स्पष्ट कीजिए।

"Alcoholism is the root cause of crimes" clarify this statement.

अथवा /OR

मनुष्य नशीले पदार्थों का सेवन क्यों करता है? वर्णन कीजिए?

Why human beings use sedative items ? Explain it.

प्र. 5. जैन दर्शन में कर्मवाद के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए?

Explain the importance of doctrine of karma in Jain philosophy.

अथवा /OR

जैन दर्शन और विज्ञान का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

Describe the comparative detail of Jain philosophy and Science.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन विद्या

द्वितीय पत्र - जैन दर्शन और विज्ञान

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. प्राणशक्ति का आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

Explain the spiritual and scientific importance of Pran Shakti.

अथवा /OR

आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व के निर्माण पर निबन्ध लिखिए?

Write an essay on spiritual scientific personality.

प्र. 2. आत्मवाद का विवेचन कीजिए?

Describe the spiritualism.

अथवा /OR

अतीन्द्रिय ज्ञान क्या है? विस्तार से वर्णन कीजिए।

Write in brief Supra-Sensory knowledge.

प्र. 3. जैन जीवन शैली से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

What do you mean by Jain way of life. Explain it.

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

प्रथम पत्र – नीति शास्त्र

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. नीतिशास्त्र को परिभाषित करते हुए इसकी विधाओं पर प्रकाश डालिये।

Defining ethics, throw light on its techniques.

अथवा /OR

नीतिशास्त्र का समाजशास्त्र एवं राजनीति शास्त्र से सम्बन्ध समझाइये।

Explain the relation of ethics with Sociology and Political Science.

प्र. 2. प्लेटो के नैतिक दर्शन पर प्रकाश डालिये।

Throw light on ethical philosophy of Plato.

अथवा /OR

अरस्तू के अनुसार ऐच्छिक कर्म एवं आदर्श नैतिक जीवन पर प्रकाश डालिये।

Throw light on ideal ethical life and optional karma according to Aristotle.

प्र. 3. स्वार्थवाद के स्वरूप एवं वर्गीकरण पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the nature and classification of Egoism.

अथवा /OR

आदर्श मूलक उपयोगितावाद को व्याख्यायित कीजिये।

Explain idealistic utilitarianism.

प्र. 4. विकासात्मक नैतिक सिद्धान्त को समझाइये।

Describe the evolutionary theory of ethics.

अथवा /OR

आत्मपूर्णवाद को समझाइये।

Explain the soul's perfectness theory.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये –

Write short notes on any four of the following :

(अ) पुरुषार्थ चतुष्ट्य / **Four Efforts**

(ब) अनुकम्पा /**Compassion**

(स) साध्य साधन के विविध पहलू /**Various views of means and ends**

(द) नीतिशास्त्र का स्वरूप / **Nature of Ethics**

(य) संकल्प स्वातंत्र्य / **Independent Will**

(र) दण्ड के सिद्धान्त / **Doctrine of Punishment**

(ल) सुखवाद / **Hedonism**

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

द्वितीय पत्र – जैन दर्शन के दार्शनिक सिद्धान्त

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन दर्शन के अनुसार नित्यानित्य की समीक्षा कीजिए।

Critically analyze the Eternal-non-eternal according to Jain philosophy.

अथवा /OR

समवाय पदार्थ एवं मुक्ति की अवधारणा की समीक्षा कीजिए।

Critically analyze the concept of inherent object and liberation.

प्र. 2. जैन दर्शन के अनुसार आत्मा का देह परिमाण का वर्णन करें।

Explain 'Bodily Pervadeness of Soul' according to Jain philosophy.

अथवा /OR

सांख्यदर्शन में स्वीकृत तत्त्वों की व्याख्या कीजिए।

Explain the elements accepted by Samkhya philosophy.

प्र. 3. प्रमाण प्रमिति सम्बन्ध को स्पष्ट करें।

Explain the relation of knowledge and result of knowledge.

अथवा /OR

शून्यवाद एवं क्षणिकवाद समीक्षा में अन्तर स्पष्ट करें।

Write down the difference between Ninuism and Flunism.

प्र. 4. अनेकान्तवाद को विस्तार में समझाइये।

Explain the concept of Anekantavad in detail.

अथवा /OR

चार्वाक मत की समीक्षा कीजिए।

Critical study of Charvaka.

प्र. 5. निम्न पर टिप्पणी लिखिए (कोई चार)

Write short notes on these (any four)

(अ) प्रमाण / Organ of knowledge

(ब) वासना / Vasana

(स) सौत्रान्तिक / Sautrantika

(द) जीवो की अन्नता / Infineteness of Soul

(इ) ईश्वर कर्त्तव्य / God's Creation

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

प्रथम पत्र – अहिंसा और शांति को समर्पित संस्थान एवं आन्दोलन

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. संयुक्त राष्ट्र संघ की संरचना पर एक लेख लिखो।

Write an essay on structure of UNO.

अथवा /OR

सुरक्षा परिषद् के संगठन एवं कार्यों का वर्णन कीजिए।

Describe the organisation and functions of 'Security Council'.

प्र. 2. सर्व सेवा संघ के कार्यों की समीक्षा कीजिए।

Evaluate the functions of Sarv Seva Sangh.

अथवा /OR

विश्व शांति की स्थापना में सिपरी की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the role of SIPRI in establishing world peace.

प्र. 3. अहिंसा और शांति के सन्दर्भ में बस आन्दोलन की विवेचना कीजिए।

Discuss Bus Movement in context of non-violence and peace.

अथवा /OR

ग्रीन पीस आन्दोलन पर एक लेख लिखो।

Write an essay on Green Peace Movement.

प्र. 4. भूदान के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए इस आन्दोलन की समीक्षा कीजिए।

Evaluate Bhoo-Dan Movement with explaining its objectives.

अथवा /OR

सप्त क्रांति की सफलता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Critically evaluate the achievements of Sapt Kranti.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखो–

Write short note on any two from following :

(अ) चिपको आन्दोलन / **Chipko Movement**

(ब) अप्पिको आन्दोलन / **Appiko Movement**

(स) विश्नोई आन्दोलन / **Vishnoi Movement**

(द) पर्यावरणीय आन्दोलन / **Environmental Movements.**

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा -2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

द्वितीय पत्र – संघर्ष निराकरण, मानवाधिकार एवं अहिंसा प्रशिक्षण

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. संघर्ष के स्वरूप से आप क्या समझते हैं? उत्पादक संघर्ष को समझाइये।
What do you mean by nature of conflict? Explain the constructive conflict.

अथवा /OR

संघर्ष की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।
Describe the process of conflict.

प्र. 2. संघर्ष निराकरण की कूटनीतिक विधियों का वर्णन करो।
Explain the diplomatic techniques of conflict resolution.

अथवा /OR

संघर्ष निराकरण में अभिवृत्ति परिवर्तन के महत्व को बताइये।
Explain the importance of attitude change in conflict resolution.

प्र. 3. संघर्ष निराकरण में अनेकान्त की भूमिका को समझाइये।
Explain the role of 'Anekant' in conflict resolution.

अथवा /OR

सहिष्णुता के स्वरूप का विस्तार से वर्णन करो।
Describe in detail the nature of tolerance.

प्र. 4. मानवीय गरीमा के आदर एवं विश्व नागरिकता को समझाइये।
Explain the respect for human dignity and global citizenship.

अथवा /OR

जीवन के प्रति सम्मान का क्या अर्थ है, समझाइये।
What do you mean by respect for life. Explain.

प्र. 5. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए (कोई दो)
Write short notes (any two)

(अ) अहिंसा प्रशिक्षण की आवश्यकता
Need for Training in Non-violence.

(ब) अहिंसा प्रशिक्षण का स्वरूप
Nature of Training in Non-violence.

(स) दृष्टिकोण परिवर्तन
Change in Attitude

(द) हृदय परिवर्तन
Change in Heart.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रथम पत्र - आधुनिक काव्य साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्र. 1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 3 x 7 = 21

(क) इन प्यासी तलवारों से, इनकी पैनी धारों से,
निर्दयता की मारों से, उन हिंसक हुंकारों से,
नत मस्तक आज हुआ कलिंग।
यह सुख कैसा शासन का? शासन रे मानव मन का।
गिर भार बना सा तिनका, यह घटाटोप दो दिन का
फिर रवि शशि किरणों का प्रसंग।

अथवा

अब हुआ सांध्य स्वणभि लीन,
सब वर्ण वस्तु से विश्व हीन!
गंगा के चल जल में निर्मल, कुम्हला किरणों का रक्तोपल
है मूँद चुका अपने मृदु दल!

(ख) मेरी याददाश्त तो तुमने गुनहगार बनाया और उसका सूद बहुत बढ़ाकर मुझसे वसूल किया। और तब मैंने कहा अगले जन्म में। मैं इस तरह मुस्कराया जैसे शाम के पानी में डूबते पहाड़ गमगीन मुस्कराते हैं।

अथवा

सोने की वह मेघ–चील। अपने चमकीले पंखों में ले अंधकार अब बैठ गई दिन अंडे पर। नदी वधू की नथ का मोती चील ले गयी। गगन बीड़ से सूरज ग्वाला हांक रहा है दिन की गायें।

(ग) ऊँच–नीच का भेद न माने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है,
दया धर्म जिसमें हो, सबसे वही पूज्य प्राणी है।
क्षत्रिय वही, भरी हो जिसमें, निर्भयता की आग,
सबसे श्रेष्ठ वही ब्राह्मण है, हो जिसमें तप–त्याग।

अथवा

और हाय रनिवास चला वापस जब राज भवन को,
सबके पीछे चली एक विकला मसोसती मन को.
उजड़ गये हों स्वप्न कि जैसे हार गई हो दाँव,
नहीं उठाये भी उठ पाते थे कुन्ती के पाँव।

प्र. 2. श्री मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में भाव एवं कला पक्षों की विवेचा कीजिए। 10

अथवा

'पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं।' कथन की समीक्षा कीजिए।

प्र. 3. कवि त्रिलोचन के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए। 10

अथवा

'अज्ञेय में संवेदनशल और बौद्धिकता का अनूठा संतुलन है।' कथन की समीक्षा कीजिए।

प्र. 4. नयी कविता की प्रमुख विशेषताएं बताइए। 09

अथवा

छायावाद काव्यधारा की विशेषताएँ बताइए।

प्र. 5. सिद्ध कीजिए कि 'रश्मिरथी' आधुनिक युग चेतना का काव्य है। 10

अथवा

'रश्मिरथी' के वस्तु–विकास की विवेचना कीजिए।

प्र. 6. रस–निष्पत्ति कहाँ होती है। 10

अथवा

रस सामग्री में स्थायी भाव, संचाही भाव तथा अनुभाव की परिभाषा और उदाहरण दीजिए।

♦♦♦

प्र. 5. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में एक साहित्यिक निबंध लिखिए। 16

(क) कथा साहित्य में दलित विमर्श

(ख) भारतीय साहित्य में नारी की भूमिका

(ग) साहित्य व धर्म का सम्बन्ध

(घ) साहित्य के प्रचार प्रसार में मीडिया की भूमिका

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : हिन्दी साहित्य

द्वितीय पत्र – निबन्ध साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित है।

प्र. 1. निम्नांकित अवतरणों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **8 x 3 = 24**

(क) ''आत्मा निरपेक्ष तत्व है और अनुभूति सापेक्ष गुण है। निरपेक्ष तत्व का सापेक्ष वस्तु से कोई योग नहीं हो सकता। अखण्ड अज, अव्यय, नित्य, अविकारी, आत्मा में सीमित, व्यक्तिगत अथवा समूहगत अनुभूति का सम्बन्ध संभव नहीं है। न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः। त्रिकाल में भी न उत्पन्न होने वाली और न मरने वाली आत्मा से देशकाल परिच्छिन्न अनुभूतियों की क्या संगति।''

(ख) ''कवि चितत्त जब बाह्य परिस्थितियों के साथ समझौता नहीं कर पाता, तब छन्दों की भाषा अत्यन्त प्रभावशाली होकर प्रकट होती

है। आन्तरिक सौन्दर्यानुभूति और बाहरी असुन्दर सी लगने वाली परिस्थिति की टकराहट से जो विसोप पैदा होता है, उसमें देशों में काव्य की भाषा को मुखर बना देता है, उसमें मूर्त्त का रूप और आवेग के पंख लगा देता है।''

(ग) ''कभी–कभी किसी देश या जाति के कोई–कोई अंग उसकी संस्कृति का साथ न दे सकने के कारण उससे अत्यन्त विच्छिन्न हो जाते हैं। तब वे परिस्थितियों के अनुसार अपना स्वतंत्र विकास करने लगते हैं – जाति और जातीय संस्कृति के दृष्टिकोण से यह बात विशेष सौभाग्य की नहीं है। इनमें से जिन अंगों को अनुकूल परिस्थितियां मिलती हैं या जो अधिक समर्थ होते हैं वे तो अपनी स्वतंचत्र प्रतिष्ठा में चिरस्थायी बन जाते हैं, परन्तु दुर्बल अंग शीघ्र ही ह्रास को प्राप्त हो जाते हैं।''

(घ) ''हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर,
बैठ शिला की शीतल छांह,
एक पुरुष भीगे नयनों से,
देख रहा था प्रलय प्रवाह।
नीचे जल था, ऊपर हिम था,
एक तरल था, एक सघन
एक तत्व की ही प्रधानता,
कहो उसे जड़ या चेतन।''

प्र. 2. 'साहित्य के नये मूल्य' निबन्ध की वर्तमान प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 10

अथवा

'भाषा–तत्व' निबन्ध में निबन्धकार ने भाषा से सम्बन्धित किन–किन महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला है, स्पष्ट करें।

प्र. 3. डॉ. विद्या निवास मिश्र ने 'मेघदूत का सन्देश' निबन्ध में आज के समाज को क्या सन्देश दिया है? 10

अथवा

नन्द दुलारे वाजपेयी के अनुसार–साहित्य का प्रयोजन 'आत्मानुभूति' कैसे हैं? स्पष्ट करें।

प्र. 4. हिन्दी आलोचना के विकास का परिचय देते हुए प्रत्येक युग की प्रमुख विशेषताओं को बताइये। 10

अथवा

आधुनिक काल के प्रमुख निबन्धकारों का परिचय देते हुए किसी एक निबन्धकार की भाषा की प्रमुख विशेषता बताइये।

B.A. THIRD YEAR EXAMINATION 2011
(CORRESPONDENCE COURSE)
SUBJECT - ENGLISH LITERATURE
PAPER - I : POETRY AND DRAMA

Time : 3.00 Hrs. M.M. 70

Note : Attempt all questions.

Q. 1. Explain the following passages with reference to the context (any three): 15

(a) There was a birth, certainly,
We had evidence and no doubt, I had seen birth & death,
But had thought they were different; this birth was hard and bitter
agony for us, like Death, our death.

(b) He leaves a white
unbroken glory, gathered radiance,
A width, a shining peace, under the night.

(c) What passing - bells for these who die as cattle ?
Only the monstrous anger of the guns,
Only the stuttering rifles ' rapid rattle
Can patter out their hasty orisons.

(d) May he sit still, they said
May the sins of your previous birth
be burned away tonight, they said
May your suffering decrease
The misfortune of your next birth, they said.

(e) Sometimes you want to talk
about love and despair
and the ungratefulness of children.
A man in no use whatever then,
You want then your mother or sister
or the girl with whom you want through school.

Q. 2. Explain the following passages with reference to the context (any three) 15

(a) Please do, I love to hear it. I cannot tell you how queer I feel when I hear you cry out from the bend of the road, though the line of those trees. Do you know I feel like that when I hear the shrill cry of kites from almost the and of the sky ?

(b) I shall ask him to make me one of his postmen that I may wonder far and wide, delivering his message from door to door.

(c) The queen's sacrifice turned away from the temple gate ? Is there a man in this land who carries more than one head on his shoulders, that he dared think of it ? Who is that doomed creature?

(d) We returned to our places, these kingdoms, but no longer at ease here, in the old dispensation with an alien people clutching their gods. I shall be glad of another death.

(e) The dread mother dances naked in the battle field,
Her lolling tongue burns like a red flame of fire,
Her dark tresses fly in the sky,
Sweeping away the sun and stars,
Red streams of blood run from her cloud black limbs,
And the world trembles and cracks under her tread.

Q. 3. Discuss Nissin Ezekiel's use of irony in his poem 'Night of the Scorpion'. 10

OR

Attempt a critical appreciation of Despande's poem 'The Female of the Species'.

OR

Write a critical rote on Ramanujan's use of irony and use of images in his poem 'A River'.

Q. 4. What is the message in Report Brooke's poem 'The Dead' 15

OR

Write a short note on the images and symbols used in the poem 'Journey of the Magi.'

OR

What do you learn about John Mass field's poem 'The West Wind'.

Q. 5. "Throughout the play (The Post Office) Tagore's symbols help in explaining the current state of India and in producing strong imagery of the past, present and future." Do you agree with this statement. 7

OR

'Through the character Amal in 'The Post Office', Tagore expresses his conviction that the full meaning of life can only be grasped in death. Discuss.

Q. 6. Comment on the little of the play 'sacrifice'. 8

OR

What is the theme of 'Sacrifice'? How far is Tagore successful in bringing it out ?

♦♦♦

Q. 4. Attempt any two of the following : 20

(i) What importance does Radhakrishnan give to the right kind of education to the youth of this country.

(ii) Explain in brief the Joy of Freedom as explained by V.S. Sastri in his essay in your course.

(iii) What are the ways Russell discuss to escape from Intellectual Rubbish?

♦♦♦

B.A. THIRD YEAR EXAMINATION 2011

(CORRESPONDENCE COURSE)

SUBJECT - ENGLISH LITERATURE

PAPER - II : PROSE AND FICTION

Time : 3.00 Hrs. M.M. 70

Note : Attempt all questions.

Q. 1. Comment on the remarks that 'Sex and Money' are the basis of human relationship in Narayan's 'The Guide'.

OR

Do you agree that 'Raju never did anything, things always happened to him'. Discuss. 10

Q. 2. Narrate in you own words the episode of staying of Jarasandha.

OR

Focussing on main incidents, narrate in brief the role played by Draupadi in 'Mahabharat'. 20

Q. 3. Discuss 'Cry the Peacock' as a story of a female whose own world collides with her husband's practical world.

OR

Comment on the optness of the title 'Cry, the Peacock' 20

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

प्रथम पत्र - प्राकृत व्याकरण एवं रचना

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

प्र. 1. रूपसिद्धि करें। (कोई चार) 10

(1) डहइ (2) गेण्हिआ

(3) पज्जाकुलो (4) ममातो

(5) गडरी (6) घेत्तूण

प्र. 2. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या सोदाहरण कीजिए (कोई तीन) 6

(1) दंश-दहो (2) सः षोः संयोगे सोऽग्रीष्मे

(3) रूदिते दिना ण्णः (4) न वा र्यो य्यः

(5) मोनुनासिको वो वा

प्र. 3. धात्वादेश कीजिए (कोई तीन) 6

(1) भमाडइ (2) भासइ

(3) उग्गइ (4) परिआलेइ

(5) हस्सिज्जइ

प्र. 4. शौरसेनी अथवा अपभ्रंश भाषा की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 6

प्र. 5. भिन्नन्त प्रक्रिया अथवा भावकर्म प्रक्रिया की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

प्र. 6. 'पठ' अथवा 'लिख्' धातु के भूतकाल के अपभ्रंश रूप लिखिए। 7

प्र. 7. 'मुनि' अथवा 'देव' शब्द के अपभ्रंश रूप लिखें। 10

प्र. 8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर प्राकृत भाषा में निबन्ध लिखिए- 20

(1) आचार्य महाप्रज्ञ

(2) मेरा गाँव

(3) अहिंसा यात्रा।

♦♦♦

प्र. 5. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए – 5

(क) श्रमणों के तीन मनोरथ

(ख) अदत्तादानविरमण की भावना

प्र. 6. निम्नांकित किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में प्राकृत भाषा में दीजिए। 5

(क) परमात्मपद का मूल भाव लिखिए।

(ख) संयम में स्थिर होने वाले मुनि का चिन्तन कैसा होता है?

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय पत्र – अर्द्धमागधी आगम एवं प्राकृत चरित साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. (क) निम्नांकित गाथाओं में से किन्हीं दो का सप्रसंग अनुवाद कीजिए। 4

(अ) ता लज्जा ता माणो ताव य परलोयचिंतणे बुद्धी।
जा न विवेयजियहरा मयणस्स सरा पहुप्पंति।।

(ब) गहनक्खत्ताणं ससहरो व्व रयणाण कोत्थुहमणि त्व।
कप्पदुमो व्व तरुणं देवाण सहस्सनयणो त्व।।

(ख) निम्नांकित में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 7

(अ) विणओ मूलं पुरिसत्तणस्समूलं सिरीए ववसाओ।
धम्मो सुहाण मूलं दप्पो मूलं विणासस्स।।

(ब) कुसले पमणसु गतुं मा होहि समुस्सुया दिणे कइविं।
पत्थावं लहिऊणं सव्वं सत्थं करिस्सामि।।

प्र. 2. अगडत्तचरियं का परिचय देकर प्राकृत कथा साहित्य की परम्परा में इसका स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

अगडदत्तचरियं के रचानाकार का परिचय देते हुए इसके नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। 14

प्र. 3. (क) निम्नांकित में से किन्हीं दो का सप्रसंग अनुवाद कीजिए – 8

(अ) लज्जा दया संजम बंभचेरं कल्लाणभागिस्स विसोहिठाणं।
जे मे गुरु सययमणुसासयंति, ते हं गुरु सासयं पूरययामि।।

(ब) तए णं से गयसुकुमाले अम्मापियरं एवं वयासी
तहेव णं तं अम्मयाओ। जं णं तुब्भे यमं एवं
वयह–''इमे ते जाया! अज्जग–पज्जग–पिउ–
पज्जयागए सुबहु हिरण्णे य सुवण्णे य कंसे
य दूसे य मणि–मोत्तिय–संख–प्पवाल–
रत्तरयण–संतसार सावएज्जे य अलाहि
जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पगामं दाउं
पगामं भोत्तुं पगामं परिमाएउं।''

(स) तयाणंतरं च णं थूलयस्स पाणाइवायवेरमणस्स
समणोवासएणं पंच अतियारापेयाला जाणियव्वा,
न समायरियव्वा, तं जहा–बंधे, वहे,
छविच्छेदे, अतिभारे, भत्तपाणवोच्छेदे।

(ख) निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (कोई एक) 7

(अ) जहा से चाउरंते, चक्कवट्टी महिडिढ़ए।
चउदसरयाणाहिवई एवं हवइ बहुस्सुए।।

(ब) उसग्ग गब्भहरणं, इत्थीतित्थं अभावियापरिसा।
कण्हस्स अवरकंका, उत्तरंण चंदसूराणं।।

प्र. 4. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए (कोई दो) 10+10=20

(क) आनन्द श्रावक के कथानक के आधार पर इच्छा परिमाणव्रत के सिद्धान्त को समझाइए।

अथवा

अतिचारपदों की मीमांसा श्रावकव्रतों के संदर्भ में कीजिए।

(ख) रोहिणी कथानक लिखकर उसकी महत्ता सिद्ध कीजिए।

अथवा

बहुश्रुत एवं पूज्य किसे कहते हैं? दोनों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) राजा प्रदेशी एवं केशी स्वामी के संवाद को लिखकर उसके दर्शन एवं धर्म विषयक बिन्दुओं की चर्चा कीजिए।

अथवा

परीषह किसे कहते हैं? भगवान महावीर द्वारा सहे गये परीषहों पर प्रकाश डालिए।

प्र. 5. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिये– 10

(1) मानवजीवनस्योद्देश्यम्

(2) सत्संगतिः

(3) दूरस्थशिक्षायाः उपयोगिता

(4) परोपकारः

प्र. 7. निम्नलिखित में से किन्हीं आठ वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। 10

(1) गोपियाँ कृष्ण के साथ खेल रही हैं।

(2) इन्दुमती का शरीर फूल से भी कोमल था।

(3) ग्रीष्म ऋतु में दिन सबसे बड़ा और शिशिर में रात्रि सबसे बड़ी होती है।

(4) यहाँ कमर तक जल है।

(5) वैदिक धर्म सनातन, पुरातन और चिरन्तन है।

(6) गुणवती और ज्ञानवती स्त्रियाँ अपने बालकों को स्वयं पढ़ाती हैं।

(7) महाराणा प्रताप देश रक्षकों में अग्रगण्य थे।

(8) वह और तुम दोनों जाते हो।

(9) गुरु शिष्य को अहिंसा का उपदेश देता है।

(10) वह कार्य कर सकता है।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

प्रथम पत्र – संस्कृत व्याकरण एवं रचना (कालु कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नांकित में से किन्हीं तीन की सिद्धि कीजिए। 15

बमौ, इट्टे, विध्यति, चिचाय,

भृज्जति, रूणद्धि।

प्र. 2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की पूर्ति कर सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 7

1. ..... किङति ।

2. ..... वच् ।

3. ..... दीर्घः ।

4. आत्मने ..... ।

प्र. 3. अधोलिखित धातुओं में किन्हीं दो के दस लकारोंके प्रथम पुरुष के एकवचन के रूप लिखिये। 10

1. ब्रूनक 2. राधच्

3. धा 4. पूरण्

प्र. 4. अधोलिखित रूपों में किन्हीं दो की मूल धातु लिखकर कारण सहित शुद्ध रूप लिखें। 8

अधीति, इच्छते, खिद्यति, गणयते।

प्र. 5. नीचे लिखे रूपों में किन्हीं दो की रूपसिद्धि कीजिये। 10

जापयति, चिकीर्षति, पित्सते, कोकूयते।

प्र. 6. निम्नांकित में किसी एक की पूर्ति कर सोदाहरण व्याख्या करें। 5

रुहः....., ... ञिनी।

प्र. 7. निम्नलिखित धातुओं में किसी एक धातु के दस लकारों के प्रथम पुरुष के एकवचन के रूप लिखें। 5

भू–सत्तायाम्, डुकृन्–करणे।

प्र. 8. अनुष्टुप छन्द का लक्षण लिखें व किसी भी विषय पर एक श्लोक की रचना करें। 10

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद

प्रथम पत्र – संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद (लघु–सिद्धान्त कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच क्रियापदों की रूपसिद्धि कीजिए। 15
पठन्ति, एघते, बभूव, अतति, गोपायति,
कुर्वन्ति, अधुक्षत्, अस्ति।

प्र. 2. निम्नांकित में से किन्हीं पांच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 15
रूधादिभ्यः पूनम्, दाधाध्वदाप्, टित् आत्मनेपदानां टेरे, सार्वधातुकमपित्, अतो हलादेर्लघोः, यासुट् परस्मैपदेषूदस्तो ङिच्च, आर्धधातुकस्येड् वलादेः।

प्र. 3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन धातुओं के यथा निर्दिष्ट रूप लिखें – 10
भू धातु – लोट् लकार
कृ धातु – लिट् लकार
लभ् धातु – लृट् लकार
हु धातु – लट् लकार

प्र. 4. (क) निम्नलिखित किन्हीं पाँच में कृत्य प्रत्यय स्पष्ट करें – 10
एधनीयम्, चेतव्यः, स्तुत्यः, कार्यम्, भोग्यम्, कर्ता, भिन्नः

(ख) भविष्यकाल के बोधक लकारों का परिचय दीजिए।

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

द्वितीय पत्र - काव्य कोश एवं इतिहास

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 8x3=24

(क) मनीषिताः सन्ति गृहेषु देवताः
तपः क्व वत्से क्व च तावकं वपुः।
पदं सहेत भ्रमरस्य पेलबं
शिरीषपुष्पं न पुनः पतत्रिणः।।

(ख) सत्सम्पर्का दधति न पदं कर्कशा यत्र तर्काः,
सर्वं द्वैधं व्रजति विलयं नाम विश्वासभूमौ।
सर्वे स्वादाः प्रकृतिसुलभा दुर्लभाश्चानुभूताः,
श्रद्धा–स्वादो न खलु रसितो हारितं तेन जन्म।।

(ग) अकारणं च भवति दुष्प्रकृतेरन्वयः श्रुतं चाविनयस्य। चन्दनप्रभवो न दहति किमनलः? किं वा प्रशमेहेतुनापि न प्रचण्डतरीभवति वडवानलो वारिणा ?

अथवा

(क) अथानुरूपाभिनिवेशतोषिणा
कृताभ्यनुज्ञा गुरुणा गरीयसा।
प्रजासु पश्चात् प्रथितं तदाख्यया
जगाम गौरीशिखरं शिखण्डिमत्।।

(ख) चित्रं चित्रं तव सुमृदवः प्राणकोशास्तथापि,
कष्टोन्मेषे दृढतममतौ मानवे चानुरागः।
श्रद्धाभाजौ जगति गणिताः सन्दिहाना असंख्याः,
श्रद्धा–पात्रं भवति विरलस्तेन कश्चित्तपस्वी।।

(ग) न श्रुतमाकर्णयति। न धर्ममनुरुध्यते। न त्यागमाद्रियते।
न विषेशज्ञतां विचारयति। नाचारं पालयति।
न सत्यमनुबुध्यते। न लक्षणं प्रमाणीकरोति।

प्र. 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 8 x 3 = 24

1. शिव–पार्वती की उक्ति–प्रत्युक्ति कुमारसम्भव के पंचमसर्ग को आश्रय मानकर वर्णन कीजिए।

2. 'अश्रुवीणा' में ''श्रद्धा का स्वरूप'' विषय में समीक्षण कीजिए।

3. युवावस्था में मानसिक विकृतियों से उत्पन्न होने वाली हानियों की विवेचना कीजिए।

अथवा

1. वर्षाकालीन तपस्या में प्रथमजलबिन्दुस्खलन वर्णना प्रसंग में पार्वती का सौन्दर्य वर्णन कीजिए।

2. अश्रुवीणा का गीतिकाव्यत्व प्रतिपादन कीजिए।

3. शुकनासोपदेश का सारांश लिखिए।

प्र. 3. किन्हीं दो श्लोकों को पूर्ण कीजिए – 8

(क) छेदितं खण्डितं .....।

(ख) तप्ते सन्तापितो .....।

(ग) निर्वन्धोऽभिनिवेशः .....।

(घ) कामं प्रकामं .....।

प्र. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए – 7 x 2 = 14

1. वेदाङ्ग साहित्य का परिचय दीजिए।

2. भारवि का स्थितिकाल निश्चित करके काव्यकला की दृष्टि से संस्कृत साहित्य में उनका स्थान निर्धारण कीजिए।

3. बाण का परिचय स्थितिकाल प्रतिपादन करके गद्यसाहित्य में बाणभट्ट के स्थान का वर्णन कीजिए।

4. भवभूति के नाट्यकला की समीक्षा कीजिए।

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : राजनीति शास्त्र

प्रथम पत्र – पाश्चात्य प्रतिनिधि विचारक

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. प्लेटो के शिक्षा सिद्धान्त सम्बन्धी विचारों को समझाइये।

Explain Plato's ideas regarding principal of education.

अथवा /OR

दासता विषयक अरस्तू के विचारों का आलोचनात्मक वर्णन करें।

Critically examine the Aristotles view on slavery.

प्र. 2. सिसरो के राजनीतिक विचारों की विवेचना कीजिए।

Discuss the political ideas of Sisiro.

अथवा /OR

संत ऑगस्टाइन के राजनीतिक विचारों की विवेचना कीजिए।

Discuss the political ideas of St. Augustine.

प्र. 3. लॉक के सामाजिक समझौता सिद्धान्त की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

Critically explain Locke's theory of social contract.

अथवा /OR

हॉब्स के राजनीतिक विचारों की विवेचना करें।

Discuss the political ideas of Hobbes.

प्र. 4. बेन्थम के राजनीतिक विचारों की विवेचना करें।

Discuss the political ideas of Bentham.

अथवा /OR

उपयोगितावाद पर जे.एस. मिल के विचारों का परीक्षण कीजिए।

Examine J.S. Mill's views on utilitarianism.

प्र. 5. 'द्वन्द्ववाद' के सम्बन्ध में कार्ल मार्क्स के विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Critically analyse Karl Marx ideas regarding 'Dialectic'.

अथवा /OR

स्वतंत्रता एवं अधिकार पर टी.एच.ग्रीन के विचारों का परीक्षण कीजिए।

Examine T.H. Green's views on freedom and right.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा – 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : राजनीति शास्त्र

द्वितीय पत्र – अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (1945 से आज तक)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. शीत युद्ध को परिभाषित कीजिए। कारणों की विवेचना कीजिए।

Define cold war. Explain the causes of cold war.

अथवा /OR

गुट निरपेक्ष आन्दोलन पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Non-aligned movement.

प्र. 2. संयुक्त राष्ट्रसंघ की महासभा के संगठन एवं कार्यों का वर्णन कीजिए।

Describe the organisation and functions of General Assembly of U.N.O.

अथवा /OR

नि:शस्त्रीकरण की दिशा में किये गए प्रयासों का वर्णन करो ?

Describe the efforts made in the field of disarmament ?

प्र. 3. 9/11 की घटना के बाद अमेरिका की विदेश नीति का परीक्षण कीजिए।

Examine the foreign policy of U.S.A. after the incident of 9/11.

अथवा /OR

रूस की विदेश नीति की प्रमुख विशेषताएँ बताइये।

Discuss the salient features of Russian foreign policy.

प्र. 4. भारत–अमेरिका सम्बन्धों का परीक्षण कीजिये।

Examine Indo-U.S. relations.

अथवा /OR

भारत की विदेश नीति की एक समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

Present a critique of India's foreign policy.

प्र. 5. सार्क के संगठन, कार्यों एवं भूमिका का परीक्षण कीजिए।

Examine the organisation, functions and role of SAARC.

अथवा /OR

शान्तिपूर्ण सहअस्तित्व से आप क्या समझते हैं? वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

What do you understand by peaceful co-existence ? Examine its relevance in present context.

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जीवन विज्ञान

प्रथम पत्र – जीवन विज्ञान का आध्यात्मिक एवं मनोवैज्ञानिक आधार

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 50

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आध्यात्मिक दृष्टि से शरीर का वर्णन कीजिए।

Describe the spiritual point of view of body.

अथवा /OR

'इन्द्रिय' का मनोवैज्ञानिक आधार स्पष्ट कीजिये।

Explain the psychological basis of sense organs.

प्र. 2. 'मानसिक स्वास्थ्य' के सूत्रों की व्याख्या कीजिये।

Explain the formulas of 'Mental Health'.

अथवा /OR

श्वास का आध्यात्मिक आधार समझाइये।

Describe the spiritual basis of breath.

प्र. 3. अवधान का स्वरूप एवं प्रकार पर प्रकाश डालिये।

Highlight on nature and type of Attention.

अथवा /OR

बुद्धि का मनोवैज्ञानिक आधार समझाइये।

Explain the psychological basis of intelligence.

प्र. 4. संवेग की दशा में शारीरिक परिवर्तन पर प्रकाश डालिये।

Throw light on physical change in condition of impulses.

अथवा /OR

'अभिप्रेरणा' की मनोवैज्ञानिक अवधारणा स्पष्ट कीजिये।

Explain the psychological concepts of Motivation.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिये–

Write short notes on any two of the following :

(क) व्यक्तित्व विकास /Personality Development

(ख) कर्म शुद्धि / Purification of Karma's

(ग) भाव / Emotions

(घ) चित्त / Psyche

♦♦♦

स्नातक (बी.ए.) तृतीय वर्ष परीक्षा - 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जीवन विज्ञान

द्वितीय पत्र - प्रेक्षाध्यान : व्यक्तित्व विकास

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 50

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. व्यक्तित्व के कारकों का वर्णन कीजिए।

Describe the determinant factors of personality in detail.

अथवा /OR

आत्म प्रत्यय एवं शीलगुण के अर्थ, परिभाषा और विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Highlight the meaning, definition and characteristics of self-concept and traits (sheel gun).

प्र. 2. अखण्ड व्यक्तित्व के विकास में प्रेक्षाध्यान की भूमिका पर प्रकाश डाले।

Highlight the role of Preksha Meditation in development of integrated (Akhanda) personality.

अथवा /OR

'व्यसन-मुक्ति का उपाय है- प्रेक्षाध्यान' इस कथन को सिद्ध करें।

Verify that 'Preksha Dhyan is a remedy (Upaya) to freedom from drugs'.

प्र. 3. लक्ष्य की आवश्यकता और उसकी प्राप्ति में प्रेक्षाध्यान की उपयोगिता लिखें।

Write the utility of Preksha Dhyan for achieving the goal and necessity of goal.

अथवा /OR

'सफलता की कुंजी है- समय प्रबंधन' इस कथन को स्पष्ट करें।

Critically establish the statement that 'Time Management is the key to success'.

प्र. 4. स्वास्थ्य प्रबंधन में अनुप्रेक्षा और शरीर प्रेक्षा के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of perception of Body (Sharir Preksha) and contemplation (Anupreksha) for management of health.

अथवा /OR

उच्च मानसिक शक्ति पर एक लेख लिखें।

Write an essay on high mental power.

प्र. 5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए-

Write a short note on (any two)

1. भावात्मक स्वास्थ्य / Emotional Health
2. एकाग्रता / Concentration
3. अभिव्यक्ति / Presentation
4. आत्मसिद्ध व्यक्तित्व / Self actualized personality

♦♦♦